अंक - 1
वर्ष - 1
मई - 2007

मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिक परिषद का त्रैमासिक न्यूज लेटर

जैव प्रौद्योगिकी

संपादकीय

हर्ष का विषय है कि मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद अपना प्रथम न्यूज लेटर प्रकाशित कर रहा है। जैव प्रौद्योगिकी एक बहुआयामी एवं अग्रणी विषय है जिसकी गतिविधियां आज मानव के प्राय: सभी पहलूओं को प्रभावित करती है। इस विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय तथा राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर निरंतर अनुसंधान एवं विकास जारी है तथा पूंजी निवेश एवं रोजगार की अत्यधिक संभावनाएं है। राज्य शासन द्वारा जैव प्रौद्योगिकी की इन संभावनाओं का लाभ लेने के लिये म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का गठन किया गया है।

यह परिषद जैव प्रौद्योगिकी में शिक्षा एवं अनुसंधान के माध्यम से कुशल मानव संसाधन के विकास के लिए उत्सुक है ताकि जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित नये निर्मित हो रहे रोजगार के अवसर का उपयोग करने के लिये एक दृढ़ नींव तैयार हो सके। प्रदेश के विकास से संबंधित सभी संस्थानों के सहयोग से जैव प्रौद्योगिकी आधारित पहल करने पर जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रदेश आगे बढ़ सकेगा।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद,
भोपाल

संरक्षक
श्री विनोद चौधरी
अपर मुख्य सचिव,
म.प्र. शासन, जैव विविधता
एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग,
भोपाल.

संपादक
श्री आर.बी. सिन्हा
मुख्य कार्यपालन अधिकारी
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद,
भोपाल.

सह सम्पादक
डॉ.(श्रीमती) मोनी माथुर
सलाहकार

संपादक मंडल
डॉ. रवि उपाध्याय
श्री नित्यानंद श्रीवास्तव

जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग
मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद
तृतीय तल, 26 किसान भवन, जेल रोड अरेरा हिल्स, भोपाल-462011
दूरभाष : 0755-2577185, 2577186 फेक्स नं. 0755-2577187
e- mail - mpbiotechcouncil @ rediffmail.com

मध्यप्रदेश में जैव प्रौद्योगिकी शिक्षा: एक विहंगम अवलोकन

जिस प्रकार दक्ष मानव संसाधन के माध्यम से सूचना प्रौद्योगिकी में क्रान्ति हासिल हो सकी, उसी प्रकार आने वाले समय में जैव प्रौद्योगिकी का समुचित उपयोग करने के लिये प्रशिक्षित मानव संसाधन विकसित करना नितान्त आवश्यक हो गया है।

प्रदेश में तैयार किए जा रहे कुशल मानव संसाधन की वर्तमान स्थिति का परिषद द्वारा आंकलन किया गया है। प्रदेश के 07 पारम्परिक विश्वविद्यालयों ने इस विषय के महत्व को पहचानते हुए जैव प्रौद्योगिक विषय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम आरंभ किये है। प्रदेश के 66 महाविद्यालयों में वर्तमान में, 3353 छात्र स्नातक उपाधि तथा 525 छात्र स्नातकोत्तर उपाधि के लिये अध्ययनरत हैं। शोध कार्य 22 शोधार्थियों द्वारा किया जा रहा है। राजीव गॉधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल के अधीन प्रौद्योगिकी संस्थानों में बी.टेक. में 60 एवं एम.टेक. में 18 छात्र अध्ययनरत हैं। इस वर्ष एक सर्वेक्षण के अनुसार * देश के शीर्ष जैव प्रौद्योगिकी संस्थानों में देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के जैव प्रौद्योगिकी विभाग ने 25 वें स्थान पर पहचान बनाई है।

* स्त्रोत– बायोस्पेक्ट्रम, जनवरी 2007

जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध एवं अधोसंरचना का विकास

जैव प्रौद्योगिकी की गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिये प्रदेश के अनुसंधान संस्थानों में शोध कार्य को प्रोत्साहित करना एवं अधोसंरचना विकास में सहायता देना परिषद के महत्वपूर्ण ध्येयों में से है।

इन ध्येय की प्राप्ति की दिशा में परियोजना प्रस्तावों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिये विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं अन्य संस्थाओं से प्रोजेक्ट्स आमंत्रित किये गये थे। प्राप्त विभिन्न परियोजना प्रस्तावों पर विचार करने एवं निर्णय लेने के लिये शासन द्वारा गठित **"प्रोजेक्ट अप्रूवल कमेटी"** की प्रथम बैठक दिनांक 12/01/2007 को आयोजित की गई, जिसमें 5 परियोजनाओं को पोषित करने की अनुशंसा की गई।

प्रोजेक्ट अप्रुवल कमेटी

राज्य शासन आदेश क्र. 591/958/2006/57 दिनांक 13/12/2006 द्वारा गठित प्रोजेक्ट अप्रुवल कमेटी :–

मुख्य कार्यपालन अधिकारी
म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद — अध्यक्ष

डॉ. पी.एस. बिसेन,
संचालक, एम.आई.टी.एस. ग्वालियर — सदस्य

डॉ. अनीता कामरा वर्मा,
नेनो बायोटेक लाइफ सांइसेस,
किरोडीमल महाविद्यालय, नई दिल्ली — सदस्य

डॉ. कृष्णन हजेला,
स्कूल ऑफ लाइफ सांइसेस
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर — सदस्य

प्रो. तसनीम अहमद
राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,
भोपाल — सदस्य

मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी आधारित उद्योग

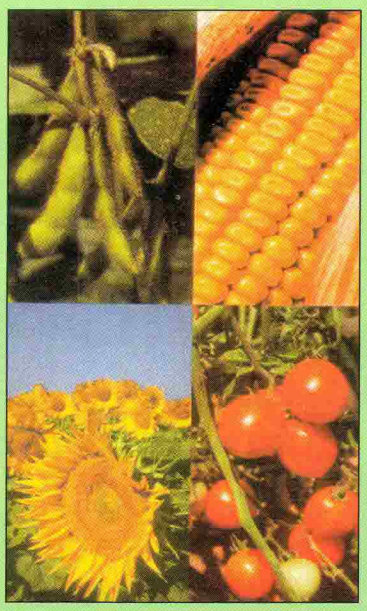

प्रदेश में कृषि, वन, स्वास्थ्य, पशुपालन, जैव ईधन तथा उद्योगों के क्षेत्र में जैव प्रौद्योगिकी पर आधारित उद्योग की अपार संभावनाएं निर्मित होती है।

वर्तमान में प्रदेश में इस क्षेत्र में जैव उर्वरक उत्पादन की 6 इकाईयां कार्यरत् हैं। साढ़े तीन करोड़ की लागत से स्थापित इन इकाईयों में 250 व्यक्ति कार्यरत हैं, जिनमें से 40% कुशल एवं 60% अकुशल व्यक्ति कार्यरत हैं। इनका अनुमानित उत्पादन रूपये 7 करोड़ है।

मध्यप्रदेश जैव प्रौद्योगिकी नीति

म.प्र. कृषि प्रधान राज्य है जहां प्राकृतिक संसाधन प्रचुर मात्रा में पाये जाते हैं, अतः प्रदेश के लिये प्रासंगिक कृषि जैव प्रौद्योगिकी, वानिकी, औषधीय एवं सुगंधित पौधे, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा जैव प्रौद्योगिकी, पर्यावरण संरक्षण, जैव उर्जा, पारम्परिक ज्ञान एवं उद्योग में जैव प्रौद्योगिकी का उपयोग सुनिश्चित करने हेतु प्रदेश की जैव प्रौद्योगिकी नीति तैयार की गई है। इस नीति के कियान्वयन में सभी संबंधित विभागों तथा संस्थाओं की भूमिका तय की गई है। इन क्षेत्रों में प्रगति हासिल करने में पहल एवं सुझाव देने का कार्य मध्य प्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा किया जाएगा।

परिषद का कार्यालय नये परिसर में आरंभ

म.प्र. शासन, जैव विविधता एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गठित म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद का कार्यालय जनवरी, 2007 से 26 किसान भवन, तृतीय तल, जेल रोड, अरेरा हिल्स, भोपाल में आरंभ किया गया है।

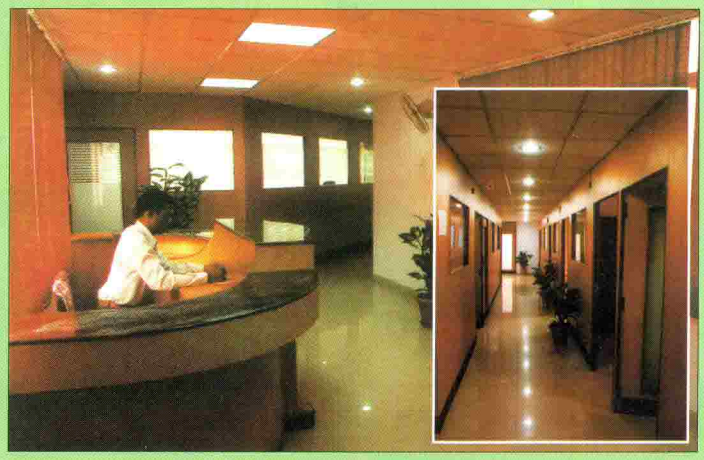

म.प्र.बायोटेक पार्क

प्रदेश में बायोटेक पार्क की स्थापना संबंधी संभावनाओं का अध्ययन बायोटेक कन्सोर्शियम इंडियालिमिटेड, नई दिल्ली द्वारा किया गया। कन्सोर्शियम द्वारा तैयार की गई अध्ययन रिपोर्ट का प्रस्तुतीकरण संबंधित विभागों के सचिवों के समक्ष किया गया। प्रस्तुतीकरण के दौरान सुझाव एवं सुधार प्रस्तावित किये गये जिनका समावेश करते हुए कन्सोर्शियम से फाइनल रिपोर्ट प्राप्त हो गई है। रिपोर्ट में भोपाल अथवा इंदौर में बायोटेक पार्क स्थापित करने की अनुशंसा की गई है।

परिषद में पदस्थापनाएं

श्री आर.बी. सिन्हा,
भा.व.से., ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. (श्रीमती) मोनी माथुर
द्वारा सलाहकार के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

श्री नित्यानंद श्रीवास्तव
ने प्रबंधक (वित्त/प्रशासन) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

डॉ. रवि उपाध्याय
ने प्रबंधक (शिक्षा एवं अनुसंधान) के पद पर कार्यभार ग्रहण किया।

परिषद के संचालक मण्डल की बैठक

म.प्र. जैव प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अपना कार्य एक पृथक कार्यालय में 3 माह पूर्व प्रारंभ किया गया। मान. मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में परिषद के संचालक मण्डल की बैठक दिनांक 29 मार्च, 2007 को आयोजित की गई। बैठक में अन्य निर्णयों के अतिरिक्त प्रदेश में जीव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान की स्थापना हेतु कंसेप्ट डिजाईन तैयार करने की कार्यवाही का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही, राजधानी भोपाल में, जैव प्रौद्योगिकी पार्क की स्थापना हेतु अभिरूचि की अभिव्यक्ति (एक्सप्रेशन ऑफ इन्टरेस्ट) प्रसारित करने के निर्देश दिये गये।

परिषद की वेबसाईट

www.mpbiotech.org पर परिषद की वेबसाइट शीघ्र प्रारंभ की जा रही है।

बुक पोस्ट

प्रति, ...

.....

.....

हमारा पता

मध्य प्रदेश जैव प्रौद्योगिकी परिषद

तृतीय तल, 26 किसान भवन, जेल रोड अरेरा हिल्स, भोपाल-462011

दूरभाष : 0755-2577185, 2577186 फेक्स नं. 0755-2577187

e- mail - mpbiotechcouncil @ rediffmail.com

Design & Print by : Rang Sparsh : 9827251819